कार्यवाही | पुलिस ने किया खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

कोविड सेंटर से आक्सीजन सिलेंडर चोरी

नवभारत, बालाघाट। बालाघाट कोतवाली क्षेत्र के बुढ़ी स्थित स्वास्थ्य विभाग के पुराने कोविड सेंटर से लाखों रुपए का सामान चोरी करने वाले बदमाश और माल खरीदने वाले कबाड़ी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से चोरी किए गए सभी 28 ऑक्सीजन सिलेंडर, एक एसी और एलईडी टीवी बरामद कर ली है।

चोरी की यह वारदात 24 जून की रात को हुई थी। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर संदेही समीर पिता शकील अली (25) को हिरासत में लेकर पूछताछ की। समीर ने जुर्म कबूल करते हुए बताया कि उसने चोरी का सारा सामान मरारी मोहल्ला निवासी दामोदरप्रसाद ठाकरे (54) को महज 14 हजार रुपए में बेच दिया था।

सीएसपी मयंक तिवारी ने बताया कि बरामद किए गए एक ऑक्सीजन सिलेंडर की ही सरकारी कीमत करीब 6,500 रुपए है।

स्टोर रूम के सीसीटीवी कैमरे खराब होने के कारण पुलिस ने आसपास के कैमरों की मदद से आरोपी को दबोचा। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि उसने बाइक से पूरा सामान ढोया था, हालांकि इतनी बड़ी मात्रा में सामान बाइक से ले जाने की बात से पुलिस संतुष्ट नहीं है। मामले में किसी अन्य सहयोगी और बड़े वाहन के इस्तेमाल को लेकर जांच जारी है।

एक अन्य कार्रवाई में भरवेली पुलिस ने सायबर सेल की मदद से चेक बाउंस के मामले में लंबे समय से फरार चल रहे वारंटी विश्राम दमाहे को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ चार स्थायी और एक गिरफ्तारी वारंट पेंडिंग था और वह पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र के गोंदिया (कुड़वा) में छिपा हुआ था। पुलिस ने गुरुवार को तीनों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है।

जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्रवेश उत्सव का शुभारंभ

मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण पर दिया विशेष मार्गदर्शन

नवभारत, बालाघाट। उच्च शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार नवीन शैक्षणिक सत्र 2026-27 के अंतर्गत नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए आयोजित प्रवेश उत्सव (दीक्षारंभ कार्यक्रम) के द्वितीय दिवस गुरुवार, 2 जुलाई को जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बालाघाट में 'मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण' विषय पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को नई शिक्षा नीति, शासन की विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं, सांस्कृतिक एवं खेल गतिविधियों तथा मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी गई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे ने विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों में बढ़ती मानसिक समस्याओं एवं आत्महत्या की प्रवृत्ति को रोकने के लिए माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं, जिनके अनुरूप राष्ट्रीय, राज्य एवं जिला स्तर पर टास्क फोर्स का गठन किया गया है। उन्होंने विद्यार्थियों को भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न आपातकालीन सहायता सेवाओं एवं हेल्पलाइन नंबरों जैसे टेली-मानस, उमंग, चाइल्ड हेल्पलाइन, डायल-112 और महिला हेल्पलाइन-181 की जानकारी भी दी। साथ ही उन्होंने स्वस्थ मन और स्वस्थ शरीर के बीच गहरे संबंध को रेखांकित करते हुए विद्यार्थियों से तनावमुक्त एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया।

उमंग के नोडल अधिकारी श्री अनिल कुमार झरबड़े ने विद्यार्थियों को शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य बनाए रखने में खेलकूद, नियमित व्यायाम तथा संतुलित आहार की महत्वपूर्ण भूमिका से अवगत कराया। वहीं जिला टास्क फोर्स के नोडल अधिकारी प्रो. विजय यादव ने मानसिक स्वास्थ्य संबंधी नवीन दिशा-निर्देशों की विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि अब प्रत्येक शैक्षणिक संस्थान में विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण के लिए काउंसलर की नियुक्ति अनिवार्य की गई है। यह व्यवस्था सभी शासकीय एवं अशासकीय शिक्षण संस्थानों के साथ-साथ निजी कोचिंग संस्थानों पर भी लागू होगी।

जिले में 110 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज

बालाघाट। चालू वर्षा सत्र में बालाघाट जिले में 1 जून से 02 जुलाई 2026 तक कुल 110 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। जबकि गत वर्ष इसी अवधि में 191 मिलीमीटर वर्षा रिकार्ड की गई थी। जिले की औसत सामान्य वार्षिक वर्षा 1447 मिलीमीटर निर्धारित है। जिले में 01 जून से 02 जुलाई तक 249 मिलीमीटर वर्षा हो जाना चाहिए था। कार्यालय अधीक्षक भू-अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार 02 जुलाई को प्रातः 8 बजे समाप्त हुए पिछले 24 घंटों के दौरान जिले में 24 मिलीमीटर औसत वर्षा रिकॉर्ड की गई है। इस अवधि में बालाघाट तहसील में 17 मिलीमीटर, वारासिवनी में 17 मिलीमीटर, बैहर में 60 मिलीमीटर, लांजी में 25 मिलीमीटर, कटंगी में 19 मिलीमीटर, किरनापुर में 24 मिलीमीटर, खैरलांजी में 14 मिलीमीटर, लालबर्रा में 00 मिलीमीटर, बिरसा में 10 मिलीमीटर, परसवाड़ा में 58 मिलीमीटर तथा तिरोड़ी में 15 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है।

खाद के बढ़े दाम वापस ले सरकार : आनंद बिसेन

किसानों की कमर तोड़ने वाली नीतियों के खिलाफ मुखर हुए जिला सचिव आनंद बिसेन, उग्र आंदोलन की दी चेतावनी

नवभारत, बालाघाट। बालाघाट जिला सरपंच संघ के प्रखर जिला सचिव एवं जिले की प्रवेश नगरी कंजई के प्रथम नागरिक, वरिष्ठ अधिवक्ता आनंद बिसेन ने केंद्र व मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार की किसान विरोधी नीतियों पर कड़ा प्रहार किया है। किसानों के हक में सदैव तत्पर रहने वाले जनप्रिय नेता श्री बिसेन ने सीधे तौर पर सूबे के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग और खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत को पत्र प्रेषित कर अपना कड़ा विरोध दर्ज कराया है। उन्होंने मांग की है कि बालाघाट सहित पूरे प्रदेश में खाद (सोडा) की बेतहाशा बढ़ी हुई कीमतों को तत्काल प्रभाव से कम किया जाए और सहकारी समितियों में पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि भोले-भाले किसानों को बिचौलियों और मुनाफाखोर व्यापारियों के हाथों लुटने से बचाया जा सके।

?श्री बिसेन ने वर्तमान सरकार के दावों की पोल खोलते हुए तीखा आक्रोश व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि एक तरफ जहाँ सरकार साल में महज 6 हजार रुपये देकर किसानों के सम्मान की बड़ी-बड़ी बातें करती है, वहीं दूसरी तरफ खाद, बीज, डीजल, बिजली और कृषि उपकरणों के दामों में बेतहाशा वृद्धि कर किसानों की पीठ में छुरा घोंपने का काम कर रही है। भाजपा सरकार की इन जनविरोधी नीतियों ने आज संपन्न खेती को घाटे का सौदा बना दिया है। सरकार की कथनी और करनी में जमीन-आसमान का अंतर है। एक ओर किसानों की आय दोगुनी करने के खोखले वादे किए जाते हैं, तो दूसरी ओर आर्थिक संकट से जूझ रहे अन्नदाता पर महंगाई का भारी बोझ लादकर उसकी कमर तोड़ी जा रही है।

खाद की कीमतों में हुई ऐतिहासिक वृद्धि के आंकड़ों को उजागर करते हुए जुझारू नेता आनंद बिसेन ने बताया कि जो खाद की बोरी पहले 1350 रुपये में मिल रही थी, सरकार ने उसे बढ़ाकर सीधे 2100 रुपये कर दिया है। इसी तरह, 1450 रुपये वाली खाद की बोरी का दाम अब 2450 रुपये के पार पहुँच चुका है। प्रति 50 किलो की बोरी पर लगभग 1000 रुपये की यह भारी भरकम वृद्धि सीधे तौर पर किसानों की जेब पर डाका है। इसके विपरीत, चुनाव के समय सरकार ने धान का समर्थन मूल्य 3100 रुपये प्रति क्विंटल देने का लोकलुभावन वादा किया था, जिसे तीन साल बीत जाने के बाद भी पूरा नहीं किया गया है। लागत लगातार आसमान छू रही है और किसानों को उनकी उपज का सही मूल्य नहीं मिल पा रहा है, जिसके कारण आज का अन्नदाता कर्ज के गहरे दलदल में डूबने को मजबूर है।

खुद को किसान का बेटा बताते हुए एडवोकेट आनंद बिसेन ने सरकार को दो टूक शब्दों में चेतावनी दी है। उन्होंने स्पष्ट कहा है कि वे किसानों के मान-सम्मान और उनके अधिकारों के साथ किसी भी कीमत पर समझौता नहीं करेंगे। यदि सरकार ने बढ़े हुए दामों को जल्द वापस नहीं लिया और सोडे की पर्याप्त आपूर्ति बहाल नहीं की, तो वे समस्त किसान भाइयों को एकजुट कर ब्लॉक से लेकर जिला मुख्यालय तक एक बड़ा और उग्र आंदोलन, धरना प्रदर्शन करने को विवश होंगे।

डायरिया रोको अभियान के तहत बैहर में 100 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को दिया गया जल गुणवत्ता परीक्षण का प्रशिक्षण

नवभारत, बैहर। जिले में संचालित 'डायरिया रोको अभियान' के अंतर्गत बच्चों एवं ग्रामीणों को जलजनित बीमारियों से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से गुरुवार, 2 जुलाई 2026 को जनपद पंचायत बैहर के सभागार में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (पीएचई) एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस प्रशिक्षण में बैहर जनपद की 100 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को फील्ड टेस्ट किट के माध्यम से पेयजल की गुणवत्ता जांचने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया।

कार्यक्रम का आयोजन लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री श्री बी.एल. उइके एवं सहायक यंत्री श्री सत्यम पटेल के मार्गदर्शन में किया गया। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग के परियोजना अधिकारी श्री रामनाथ धुर्वे विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल डायरिया जैसी जलजनित बीमारियों की रोकथाम का सबसे प्रभावी माध्यम है और इसमें आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

प्रशिक्षण के दौरान पीएचई विभाग के बैहर उपखंड के केमिस्ट कृष्णकांत मेश्राम एवं फनीश रंगारे ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को फील्ड टेस्ट किट का उपयोग कर पेयजल स्रोतों की गुणवत्ता जांचने की विधि का व्यावहारिक प्रदर्शन कराया। कार्यकर्ताओं को बताया गया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों के हैंडपंप, कुएं एवं नल-जल योजनाओं के जल स्रोतों से नमूने लेकर मौके पर ही पानी की गुणवत्ता का परीक्षण कर सकती हैं। प्रशिक्षण में पानी में फ्लोराइड, आयरन, नाइट्रेट, क्लोराइड तथा पीएच की जांच की प्रक्रिया विस्तार से समझाई गई।

परियोजना अधिकारी श्री रामनाथ धुर्वे ने कहा कि आंगनवाड़ी केंद्रों पर आने वाले छोटे बच्चों और गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रशिक्षण के बाद आंगनवाड़ी कार्यकर्ता न केवल जल स्रोतों की नियमित जांच करेंगी, बल्कि ग्रामीणों को उबला एवं स्वच्छ पानी पीने, साफ-सफाई बनाए रखने तथा जलजनित रोगों से बचाव के प्रति भी जागरूक करेंगी।

प्रशिक्षण के उपरांत सभी 100 आंगनवाड़ी कार्यकर्ता अपने-अपने सेवा क्षेत्रों में जल स्रोतों का सर्वेक्षण एवं परीक्षण करेंगी। यदि किसी जल स्रोत का पानी दूषित पाया जाता है तो उसकी सूचना तत्काल पीएचई विभाग को दी जाएगी, ताकि समय रहते क्लोरीनेशन सहित आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई की जा सके। अधिकारियों ने बताया कि इस पहल से बैहर क्षेत्र के ग्रामीण अंचलों में डायरिया सहित अन्य जलजनित बीमारियों की रोकथाम में महत्वपूर्ण सहायता मिलेगी।

कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय में दीक्षारंभ कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

100 से अधिक छात्राओं ने लिया भाग

नवभारत, बालाघाट। शासकीय कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय, बालाघाट में मंगलवार, 1 जुलाई 2026 को मध्यप्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग, भोपाल के निर्देशानुसार नवप्रवेशित छात्राओं के लिए दीक्षारंभ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. निधि ठाकुर ने की।

कार्यक्रम का संचालन ई-प्रवेश समिति की संयोजक डॉ. अनुभूति सेंडीमन के संयोजन तथा डॉ. सुनील कुमार मासुलकर, डॉ. दीपरत्ना मासुलकर एवं आईक्यूएसी प्रभारी डॉ. स्वाति खोब्रागड़े के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के प्रथम दिवस में नवप्रवेशित छात्राओं का स्वागत एवं पंजीकरण किया गया। इसके पश्चात प्राचार्य डॉ. निधि ठाकुर ने स्वागत भाषण देते हुए महाविद्यालय की शैक्षणिक परंपराओं, उपलब्धियों एवं संस्थान के विजन से छात्राओं को अवगत कराया। सभी संकाय सदस्यों ने अपने-अपने विभागों का परिचय देते हुए छात्राओं से संवाद स्थापित किया।

इस अवसर पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) समिति द्वारा छात्राओं को शैक्षणिक संरचना एवं परीक्षा प्रणाली की विस्तृत जानकारी दी गई। वरिष्ठ छात्राओं के साथ इंटरेक्टिव सत्र एवं आईस-ब्रेकिंग गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिससे नवप्रवेशित छात्राओं को महाविद्यालयीन वातावरण से परिचित होने का अवसर मिला। वहीं, खेल विभाग द्वारा छात्राओं को महाविद्यालय परिसर का भ्रमण भी कराया गया।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत मथुरा-वृंदावन यात्रा हेतु 11 जुलाई तक आवेदन आमंत्रित

नवभारत, बालाघाट। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत भगवान श्रीकृष्ण की नगरी मथुरा-वृंदावन की तीर्थ यात्रा पर जाने के इच्छुक वरिष्ठ नागरिकों से 11 जुलाई 2026 तक आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। जिले से तीर्थयात्रियों के लिए 25 जुलाई को विशेष ट्रेन रवाना होगी, जिसमें बालाघाट जिले के लिए 191 सीटें आरक्षित की गई हैं।

योजना के तहत यात्रा करने के इच्छुक वरिष्ठ नागरिकों को आवेदन पत्र दो प्रतियों में भरकर संबंधित तहसील कार्यालय, नगर पालिका कार्यालय अथवा जनपद पंचायत कार्यालय में जमा करना होगा। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 11 जुलाई निर्धारित की गई है।

आवेदन के साथ निवास प्रमाण के रूप में राशन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, विद्युत देयक, मतदाता पहचान पत्र, शस्त्र लाइसेंस अथवा शासन द्वारा मान्य अन्य दस्तावेज संलग्न करना होगा। इसके अलावा आधार कार्ड की छायाप्रति एवं नवीनतम रंगीन पासपोर्ट आकार का फोटो देना अनिवार्य रहेगा। आवेदक को यह घोषणा पत्र भी प्रस्तुत करना होगा कि वह आयकरदाता नहीं है तथा पिछले पांच वर्षों में मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत यात्रा नहीं की है।

शंकरसाव पटेल महाविद्यालय के प्राध्यापकों ने 6 सूत्रीय मांगों को लेकर विधायक विवेक पटेल को सौंपा ज्ञापन

नवभारत, वारासिवनी। प्रदेश के उच्च शिक्षा विभाग में कार्यरत शिक्षकों,ग्रन्थपालो एवं क्रीड़ा अधिकारियों की न्याय संगत माँगो से लंबित एवं बार-बार ज्ञापन सौंपने एवं चर्चा के उपरांत भी उच्च शिक्षा विभाग द्वारा निराकरण नहीं किया जा रहा है।

वहीं वर्ष 2024-25 में नियुक्त बैकलॉग सहायक प्राध्यापको की परीक्षा अवधि नियुक्त दो वर्ष पश्चात समाप्त कर उन्हें कैरियर पदोन्नति का लाभ, सेवानिवृत्ति की आयु की वृद्धि के 65 वर्ष और यू जी सी के प्रावधानुसार पे-मैट्रिक्स - 14 का लाभ, सेवानिवृत्ति शिक्षकों के पेंशन, वेतन,अवकाश सहित 6 सूत्रीय मांगों को लेकर शंकरसाव पटेल महाविद्यालय के प्राध्यापकों ने वारासिवनी जनसंपर्क कार्यालय पहुंचे विधायक विवेक विक्की पटेल को ज्ञापन सौंपा है।इस दौरान तहसील अध्यक्ष डॉक्टर हेमन्त कुमार मंडाले,उपाध्यक्ष रक्षा निकोसे, दोनदत्त सिंह,सचिव त्रिरत्नेश गजभिए,नरेंद्र कुमार डोंगरे,श्रीमती सरिता नागवंशी मौजूद रहे।इस दौरान विधायक विवेक पटेल ने कहा प्रदेश सरकार हमेशा शिक्षकों के साथ खिलवाड़ करती है।

हम माननीय मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव और शिक्षा मंत्री राव उदयप्रताप सिंह से मुलाकात कर प्राध्यापकों की मांग का निराकरण करने का प्रयास करेंगे।

प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. बीएम शरणागत राष्ट्रीय सम्मान से होंगे सम्मानित

नवभारत, बालाघाट। चिकित्सा, सामाजिक, धार्मिक एवं जनसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले बालाघाट के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. बी.एम. शरणागत (एम.डी. मेडिसिन) को चिकित्सक दिवस के उपलक्ष्य में आईएमए दिल्ली (मुख्यालय) द्वारा राष्ट्रीय सम्मान से सम्मानित किया जाएगा।

यह सम्मान समारोह 18 जुलाई को कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया, नई दिल्ली में आयोजित होगा। डॉ. शरणागत को मरीजों के प्रति समर्पित एवं उत्कृष्ट चिकित्सा सेवाओं, सामाजिक कार्यों में सक्रिय सहभागिता, धार्मिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान तथा आईएमए के प्रति उत्कृष्ट सेवाओं के लिए यह सम्मान प्रदान किया जाएगा।

डॉ. शरणागत की इस उपलब्धि पर विभिन्न जनप्रतिनिधियों एवं चिकित्सकों ने उन्हें बधाई देते हुए इसे पूरे बालाघाट जिले के लिए गौरव का विषय बताया। शुभकामनाएं देने वालों में डॉ. अनिल नायक (राष्ट्रीय अध्यक्ष, आईएमए), डॉ. दिलीप भानुशाली (हैदराबाद), डॉ. सर्वरी दत्ता (कोलकाता), डॉ. अरविंद जैन, डॉ. सुब्बाराव, डॉ. कोठारी, भारती पारधी (सांसद),गौरीशंकर बिसेन (पूर्व कैबिनेट मंत्री), विक्की पटेल (विधायक) तथा श्री गौरव पारधी (विधायक) शामिल हैं।

यह सम्मान डॉ. बी.एम. शरणागत की वर्षों की निष्ठा, सेवा भावना और समर्पण का परिणाम है। साथ ही यह उपलब्धि न केवल उनके लिए, बल्कि पूरे बालाघाट शहर एवं जिले के लिए गर्व और सम्मान का विषय है।

आग | लाखों का सामान जला, घंटों की मशक्कत के बाद पाया गया काबू

माइक्रो एरिगेशन प्लांट में आग, पाइप-मशीनरी जलकर खाक

नवभारत, बालाघाट। बालाघाट जिले के लामता थाना क्षेत्र के परतापुर स्थित राघवटोला में माइक्रो एरिगेशन परियोजना के प्लांट में आग लग गई। आग लगने से प्लांट में रखे प्लास्टिक पाइप, मशीनरी और अन्य सामग्री जलकर नष्ट हो गई। धुएं का गुबार इतना तेज था कि करीब दो किलोमीटर दूर तक दिखाई दिया।

घटना की सूचना मिलते ही बालाघाट और आसपास के इलाकों से फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। कई घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। हालांकि तब तक प्लांट में भारी नुकसान हो चुका था। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार नुकसान लाखों रुपये में बताया जा रहा है, लेकिन आधिकारिक आंकड़ा अभी सामने नहीं आया है।

यह माइक्रो एरिगेशन परियोजना किसानों के खेतों तक पाइपलाइन के जरिए पानी पहुंचाने के लिए करोड़ों रुपए की लागत से चल रही थी। प्लांट में इसी से जुड़ी सामग्री और मशीनरी रखी गई थी।

लामता थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। सूत्रों के अनुसार, इस घटना को लेकर कुछ संदिग्धों से पूछताछ भी की जा रही है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, घटना से एक दिन पहले कुछ लोगों द्वारा प्लांट में पहुंचकर कथित रूप से राशि की मांग की गई थी। इनकार किए जाने पर विवाद और मारपीट की बात भी सामने आ रही है। हालांकि पुलिस ने अभी इन सभी बातों की पुष्टि नहीं की है।

घटना के बाद क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों के प्लांट का निरीक्षण करने पहुंचने की जानकारी भी सामने आई है। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही पूरे मामले की स्थिति स्पष्ट होगी।

जज एवं सीईओ के घर के रास्ते पर कीचड़ और जलभराव

वीआईपी रोड के हालात बदतर, प्रतिदिन सैकड़ों फरियादी कीचड़ से गुजरकर पहुंचते हैं दफ्तर

नवभारत कटंगी 2 जुलाई। इसे विडंबना ही कहेंगे कि जिस मार्ग पर न्यायाधीश का आवास, जनपद पंचायत कटंगी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी का निवास, लोकसेवा केंद्र, पटवारी कार्यालय, राजस्व निरीक्षक और उप पंजीयक कार्यालय स्थित हैं, उसी मार्ग के हालत नरक से भी बदतर है।

यहां पहली ही वर्षा होने से पुरा परिसर तालाब बन गया और लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा हालांकि आनन फानन में पानी निकासी कर पानी निकाला गया, किंतु अभी भी सड़क के गड्ढे और सड़क के किनारे पानी जमा है।

सड़क पैदल चलने लायक भी नहीं

प्रतिदिन सैकड़ों की तादाद में आम जनता अपने जरूरी काम से इन्हीं कार्यालयों में आती है, लेकिन चलने लायक सड़क नहीं होने से लोगों को पानी के भराव एवं कीचड़ भरे मार्ग से आने-जाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

न नाली साफ, न पानी की निकासी

स्थानीय लोगों का कहना है कि पानी निकासी हेतु बनी नाली की वर्षों से साफ-सफाई नहीं हुई है। नाली कचरे से पूरी तरह चोक है। हल्की बारिश में ही पूरा मार्ग तालाब बन जाता है। कई बार बाइक सवार फिसलकर गिर चुके हैं। यह कोई कच्ची बस्ती का रास्ता नहीं है। यहां से प्रतिदिन एसडीएम, तहसीलदार, जज की गाड़ियां निकलती हैं। अगर पानी निकासी हेतु नाली ही ठीक से बना दी जाए और नियमित सफाई हो तो 50ज समस्या हल हो जाएगी।

वीआईपी इलाका, फिर भी बदहाल

मजे की बात ये है कि इसी मार्ग पर अधिकारियों के सरकारी आवास भी हैं। इसके बावजूद न ही नगर परिषद और न जनपद पंचायत ध्यान दे रही है।